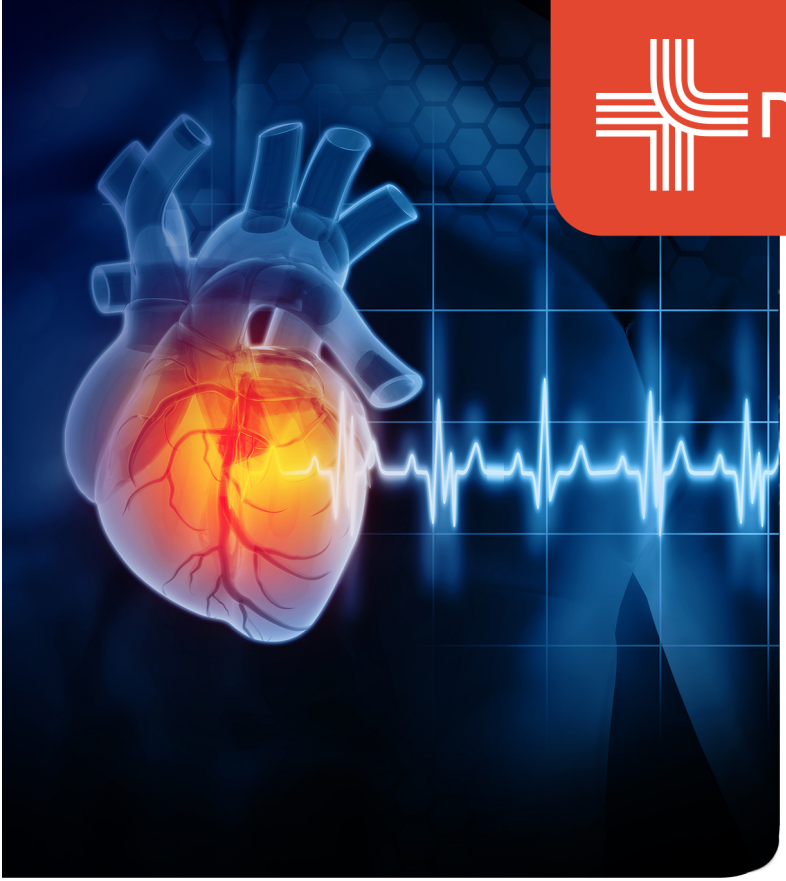

medanta

माइट्रल वाल्व क्लिप

MEDANTA
HEART INSTITUTE

माइट्रल वाल्व क्लिप क्या है?

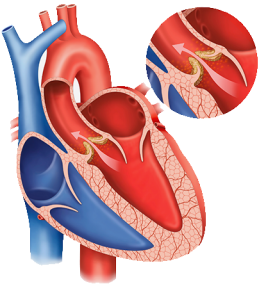

माइट्रल वाल्व क्लिप एक छोटी धातु की क्लिप है जो बिना ओपन-हार्ट सर्जरी के आपके क्षतिग्रस्त माइट्रल वाल्व की मरम्मत करने मे उपयोगी होती है। इसका उपयोग माइट्रल रिगर्गिटेशन (एम.आर.) का इलाज करने के लिए किया जाता है। यह क्लिप माइट्रल वाल्व के दो फ्लैप को एक साथ कसकर बांध देती है, जिससे रक्त के वापिस एट्रियम (दिल का ऊपरी कक्ष) में लीक होने की संभावना कम हो जाती है।

माइट्रल वाल्व क्लिप की आवश्यकता कब होती है?

डॉक्टर माइट्रल रिगर्गिटेशन (एम.आर.) के उपचार के लिए माइट्रल वाल्व क्लिप की सलाह निम्नलिखित स्थितियों में दे सकते हैं:

- गंभीर माइट्रल रिगर्गिटेशन
- क्लिप प्लेसमेंट के लिए अनुकूल वाल्व संरचना
- जब सर्जरी में जोखिम अधिक हो
- व्यक्ति जिनमें ओपन हार्ट सर्जरी संभव न हो
- व्यक्ति जो ओपन हार्ट सर्जरी से बचना चाहते हैं

माइट्रल वाल्व क्लिप प्रक्रिया से पहले क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

माइट्रल वाल्व क्लिप एक सुरक्षित प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया से पहले निम्नलिखित सावधानियाँ बरतनी चाहिए:

- मरीज़ को डॉक्टर को एलर्जी, चल रही दवाओं, और मौजूदा चिकित्सीय समस्याओं के बारे में विस्तृत जानकारी देनी चाहिए।
- माइट्रल वाल्व क्लिप प्रक्रिया के छह घंटे पहले कुछ खाना और दो घंटे पहले कोई भी तरल पदार्थ नहीं पीना चाहिए।
- शराब और धूम्रपान का सेवन न करें।

माइट्रल वाल्व क्लिप के दौरान क्या होता है?

- माइट्रल वाल्व क्लिप के दौरान मरीज़ को स्थानीय एनेस्थीसिया या सीडेटिव दिया जाता है।
- सबसे पहले मरीज़ के पेट और जांध के बीच की जगह (ग्रोइन) को साफ कर एक छोटा चीरा लगाया जाता है।
- मरीज़ के ग्रोइन क्षेत्र की पैर की नस में एक शीथ डालकर उसमें एक पतली नलिका या कैथेटर डाला जाता है।
- डॉक्टर एक्स-रे इमेजिंग की सहायता से कैथेटर के द्वारा माइट्रल वाल्व क्लिप को मरीज़ के माइट्रल वाल्व तक निर्देशित करते हैं।
- डॉक्टर इस क्लिप से माइट्रल वाल्व के लीफलेट्स को स्थायी रूप से जोड़ देते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वाल्व ठीक से बंद हो चुका हो।

- इसके बाद, ग्रोइन से शीथ और कैथेटर हटा दिये जाते हैं, और चीरे को टाँके लगा कर बंद कर दिया जाता है।

माइट्रल वाल्व क्लिप प्रक्रिया के बाद क्या होता है?

- प्रक्रिया के बाद, डॉक्टर मरीज़ को रिकवरी रूम में स्थानांतरित करते हैं, जहां उनके पल्स, रक्तचाप, तापमान, और अन्य शारीरिक माणकों पर निगरानी रखी जाती है। इस दौरान मरीज़ को पैर सीधा रखने की सलाह दी जाती है।
- डॉक्टर मरीज़ को घर पर निरंतर स्वास्थ्य लाभ के लिए विशिष्ट निर्देश देते हैं।
- मरीज़ को जटिलताओं से बचने के लिए कुछ निवारक दवाएँ भी दी जाती है।
- रिकवरी बेहतर बनाने के लिए हल्के व्यायाम और आहार सावधानियाँ बतायी जाती हैं।

माइट्रल वाल्व क्लिप के जोखिम क्या है?

किसी अन्य सर्जिकल प्रकिया की तरह, माइट्रल वाल्व क्लिप के भी कुछ जोखिम हो सकते हैं, जैसे:

- संक्रमण
- रक्तस्राव
- क्लिप में प्रयुक्त सामग्री से एलर्जी
- प्रक्रिया के दौरान रक्त वाहिका को क्षति पहुँचना
- दिल के दौरे या स्ट्रोक का ख़तरा
- फेफड़ों से संबंधी समस्याएँ
- दुर्लभ मामलों में, दिल की मांसपेशियों में क्षति
- लक्षण का और गंभीर होना
- माइट्रल वाल्व क्लिप उपकरण से संबंधित समस्याएँ जैसे क्लिप की विफलता या क्लिप का सही से काम ना करना

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर को सूचित करें:

- सीने में दर्द या असुविधा
- बुख़ार
- उल्टी या मतली
- साँस लेने में तकलीफ़ होना
- थकान
- चक्कर या बेहोशी आना

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ